विद्यार्थियों को तनाव मुक्त रहने के गुर बताये

बीकानेर,(कासं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की पहल पर जिला प्रशासन द्वारा रविन्द्र रंगमंच पर आयोजित दो दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य कानून एवं नीति के तहत आत्महत्या रोकथाम के लिए जागरूकता प्रशिक्षण शनिवार को सम्पन्न हुआ।

प्रशिक्षण के अंतिम दिन शहरी क्षेत्र के विभिन्न कोचिंग्स और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भागीदारी निभाई। विशेष वक्ता के रूप में बोलते हुए नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ. अनिंदिता भट्टाचार्य ने कहा कि एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिवर्ष दुनियां भर में 7 लाख 26 हजार लोग आत्महत्या करते हैं। इनमें 15 से 29 वर्ष आयुवर्ग के युवाओं की संख्या सबसे अधिक होती है। इससे बचाव के लिए बच्चों को अनावश्यक तनाव से मुक्त रखना सबसे जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि हर परीक्षा से पहले बच्चों की काउंसलिंग की जाए। बच्चों की किसी प्रकार की मानसिक समस्या को नहीं छुपाए। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य की परिभाषा, तनाव मुक्त रखने और देखदेखी नहीं करने, डीप ब्रीदिंग, क्रिएटिविटी आदि के बारे में बताया।

नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ. सुवर्णा जोशी ने कहा कि जब हम तनाव में होते हैं, तो हमारे दिमाग में 90 प्रतिशत तक नकारात्मक खयाल आते हैं। इन्हें समझने तथा उनके प्रति सजग रहने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि तनाव के दौरान ऐसे खयालों पर विश्वास नहीं करें तथा इन्हें दूर करने के लिए योग, प्राणायाम और ध्यान आदि को

- मानसिक स्वास्थ्य कानून एवं नीति के तहत आत्महत्या रोकथाम के लिए जागरूकता प्रशिक्षण

अपनाएं। उन्होंने कहा कि हमारे पास 24 घंटे में उपयोग करने के लिए सीमित ऊर्जा होती है। इसका उपयोग सकारात्मक तरीके से करना करने की योग्यता विकसित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बच्चे बाहर की चीजों पर फोकस करना बंद करें तथा खुद पर ध्यान दें।

इस दौरान उन्होंने विभिन्न आंकड़ों और प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से आत्महत्या के सामाजिक और पारिवारिक दुष्प्रभावों के बारे में बताया। भारत सहित दुनिया के विभिन्न देशों में आत्महत्या से जुड़े कानूनों की जानकारी भी दी। इस दौरान पीबीएम अस्पताल के मानसिक रोग एवं नशा मुक्ति चिकित्सा विभाग द्वारा राष्ट्रीय टेली-मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के बारे में बताया गया। इसके टोल फ्री नंबर को शिक्षण संस्थानों में चस्पा करने का सुझाव दिया गया।

उल्लेखनीय है कि जिला कलेक्टर की पहल पर दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन अभिभावक, कोचिंग संचालक, काउंसलर आदि मौजूद रहे। बच्चों को मानसिक तनाव से मुक्त रखने में उनकी भूमिका के संबंध में जागरूक किया गया। वहीं दूसरे दिन 16 से 21 वर्ष तक के विद्यार्थियों ने भागीदारी निभाई। बीकानेर में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण की प्रशिक्षक डॉ. अनिंदिता भट्टाचार्य 12 वर्षों का शिक्षण और चिकित्सीय अनुभव के साथ नैदानिक मनोवैज्ञानिक हैं। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित विभिन्न कार्यशालाओं और सत्रों को संचालित किया है।

मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत विकास, सकारात्मक मनोविज्ञान और युवा विकास को बढ़ावा देने और रोकथाम में उनकी गहरी रूचि है। डॉ. सुवर्णा जोशी राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान से एम.फिल. और पी.एच.डी. के साथ पंजीकृत नैदानिक मनोवैज्ञानिक हैं। डॉ. जोशी कपल्स और फैमिली थेरेपी में विशेषज्ञता के साथ एक स्वतंत्र चिकित्सक हैं।

मेडिटेशन डे का आयोजन : तेरापंथ महिला मंडल गंगाशहर द्वारा शांति निकेतन में साध्वी चरितार्थ प्रभा एवं साध्वी प्रांजल प्रभा के सानिध्य में प्रथम इंटरनेशनल मेडिटेशन डे के उपलक्ष में प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्ष संजू लालाणी ने बताया कि इस कार्यशाला में बहनों और भाईयों को कई प्रकार के कायोत्सर्ग और प्रेक्षाध्यान के प्रयोग करवाए गए।

साध्वी चरितार्थ प्रभा जी ने बताया कि जीवन में प्रेक्षाध्यान कायोत्सर्ग का क्या महत्व है ।हमें प्रतिदिन अपने दिनचर्या में इसे शामिल करना चाहिए।

मूट कोर्ट में कानूनी प्रक्रिया समझी

बीकानेर, (कासं)। राजकीय विधि महाविद्यालय बीकानेर के प्राचार्य प्रो भगवानाराम बिश्नोई ने बताया कि आज महाविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ. रितु चैधरी के निर्देशन में विद्यार्थियों द्वारा राज्य बनाम मांगीलाल मामले पर मूट कोर्ट का मंचन किय गया। जिसमें न्यायालय की प्रक्रिया को विद्यार्थियों द्वारा बहुत ही सरल तरीके से समझाने का प्रयास किया गया।

मूट कोर्ट में हत्या से संबंधित मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 341,302/34 के तहत न्यायिक, मजिस्ट्रेट न्यायालय से समिट कर सेशन न्यायालय को सुपुर्द कर विचारित किया गया। जिसमें अभियुक्त को धारा 302/34, 341 के तहत दोषी पाते हुए दण्डादेश सुनाया गया। मूट कोर्ट में न्यायिक मजिस्ट्रेट के रूप में मोहन मेहरा व सेशन जज खुशबु बंठिया, एपीओ ऋषि शर्मा व पी.पी ख्याति तंवर व चैरी राठी ने पैरवी की।

बचाव पक्ष के वकील में कृष्ण सहारण व रमजान नवाज और दीपांशु सक्सेना ने किरदार निभाया। स्टेनो में अदिति पणिया, श्रेया, प्रेक्षा, हर्षिता ने भूमिका निभाई। अभियुक्त के रूप में गोविन्द, कनिका ,गौरव ने भूमिका निभाई। गवाह के रूप में हेमन्त, मोतीलाल, देवेश, हनुमान, गौरव, राखी स्वाति ने भूमिका निभाई। एसएचओ के रूप में कृष्ण कुमार ने एवं कांस्टेबल में सोमेश, ज्योति व सुरेन्द्र ने किरदार निभाया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में डूंगर महाविद्यालय बीकानेर के प्रो. एम. डी. शर्मा मौजूद थे।

रीट परीक्षा केन्द्रों पर कैमरे से होगी निगरानी

श्रीगंगानगर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित होने वाली अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) 2024 में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जायेंगे। बोर्ड की ओर से संवेदनशील व अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी और अन्य केन्द्रों पर वीडियोग्राफी से निगरानी रखी जायेगी। करीब 32 हजार से ज्यादा आवेदन किए जाने की सूचना सामने आई। परीक्षा में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होंगे।

संवेदनशील एवं अति संवेदनशील केन्द्रों पर विशेष उड़न दस्ते निरीक्षण करेंगे। सूत्रों के अनुसार रीट के मद्देनजर मुख्य सचिव के निर्देश पर जिला कलेक्टरों को परीक्षा संचालन समिति के गठन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति में कलेक्टर अध्यक्ष और पुलिस अधीक्षक सह अध्यक्ष और कलेक्टर द्वारा नामित अतिरिक्त कलेक्टर नोडल अधिकारी होंगे।

हालांकि आवेदकों की संख्या एवं परीक्षा केन्द्रों की उपलब्धता के दृष्टिगत परीक्षा तिथि में बदलाव भी किया जा सकता है। आवेदन भरने के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी परेशानी से फार्म भरना बाधित होने पर फॉर्म वहां तक 'सेव' हो जायेगा। कनेक्टिविटी शुरू होने पर शेष आवेदन भरना होगा। बोर्ड सचिव कैलाशचंद शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन फार्म भरते समय बिजली जाने, नेट कनेक्टिविटी बंद होने या अन्य किसी कारण से फॉर्म अधूरा रह जाता था तो वापस शुरू से भरना होता था। लेकिन इस बार जो पार्ट भर चुका है उससे आगे

- संवेदनशील व अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी और अन्य केन्द्रों पर वीडियोग्राफी से निगरानी रखी जायेगी

की ही पूर्ति करनी होगी।

बोर्ड प्रशासन ने अभ्यर्थियों के लिए गाइड लाइन भी जारी की है। इसके तहत अभ्यर्थी एक बार फार्म भरने के बाद अपने स्तर पर संशोधन नहीं कर सकेंगे। बोर्ड ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वह पूरी तरह जांच परख कर ही ऑनलाइन आवेदन करें। यह आवेदन 15 जनवरी 2025 तक ऑनलाइन होंगे। प्रदेशभर में 27 फरवरी को दो पारियों में आयोजित की जाने वाली रीट परीक्षा के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। प्रथम पारी की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12:30 बजे तक होगी। दूसरी पारी में परीक्षा दोपहर 3 से शाम 5:30 बजे तक होगी। परीक्षा सभी जिला मुख्यालय पर होगी।

परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जायेंगे। परीक्षा केन्द्रों पर वीडियोग्राफी भी करवाई जायेगी। बोर्ड विशेष उड़नदस्ते भी गठित करेगा। बोर्ड ने अभ्यर्थियों को निर्देश दिए हैं कि आवेदन में अपनी अद्यतन फोटो ही लगाएं। यह फोटो तीन महीने से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए। परीक्षा के समय केन्द्र पर आवेदन में लगी फोटो एवं अभ्यर्थी के चेहरे का मिलान किया जायेगा।

आदिवासियों की समस्याएं जानेंगे विद्यार्थी

बीकानेर, (कासं)। आदिवासी क्षेत्र के लोगों के सामने आ रही समस्याओं, परेशानियों के निस्तारण तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से महाराजा गंगासिंह विवि के स्कूल ऑफ लॉ के पांच वर्षीय लॉ विद्यार्थियों का एक दल सामाजिक सर्वेक्षण के लिये उदयपुर के झाडोल रवाना हुआ।

दल को स्कूल ऑफ लॉ के डायरेक्टर डॉ रविन्द्र मंगल ने रवाना किया। इस अवसर राहुल यादव, उपासना शर्मा सहित विद्यार्थियों के अभिभावक भी मौजूद रहे। इस दौरान डॉ मंगल ने कहा कि पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिये यह सर्वेक्षण काफी उपयोगी साबित होगा। सर्वेक्षण के दौरान विद्यार्थियों का दल 10-10 परिवारों का सर्वे कर आदिवासी क्षेत्र में चली आ रही कुप्रथाओं, बाल मजदूरी की मजबूरी सहित अनेक समस्याओं की जानकारी जुटायेंगे।

साथ ही लीगल हैंड कैम्प का आयोजन कर उन्हें जानकारी भी देंगे। दो दिवसीय इस सर्वेक्षण कार्यक्रम में करीब 42 विद्यार्थी भागीदारी निभा रहे हैं। इस दल में स्कूल ऑफ लॉ की व्याख्याता डॉ दुर्गा चौधरी, डॉ सीमा जैन, मोनिका पंवार, वर्षा पंवार भी शामिल है।

दल में छात्रा आकांक्षा बिस्सा, सुहानी दीक्षित, निकिता पुरोहित,भूमि स्वामी, अन्नपूर्णा भारद्धाज,अर्पिता भाटी, कनव गहलोत,चन्द्रकांत स्वामी, जयवीर बिस्सु आदि शामिल है।

प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल के सुमित खीचड़ ने 68वीं राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। संस्थान निदेशक निर्मल कालेर ने बताया कि संस्थान के छात्र सुमित पुत्र सुनील कुमार ने दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भाग लिया था। जिसमें यह उपलब्धि प्राप्त की है। सुमित ने राज्य की टीम से वूशू के अंडर 19 के 80 किलो भारवर्ग में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 9 से 12 दिसंबर तक हुआ था। जिसमें 28 राज्य व केंद्रशासित प्रदेशों की टीमों ने भाग लिया था। संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम में छात्र को सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रिंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन डॉ. जीएल कालेर ने कहा कि बच्चों द्वारा किए नियमित अभ्यास से ही सफलता मिलती है। साथ ही उन्होंने छात्र के लिए उज्ज्वल भविष्य की कामना की व सफलता की बधाई दी। इस अवसर पर संस्थान एकेडमिक डायरेक्टर समीर शर्मा, प्रिंसिपल डॉ. अनिता पंत शर्मा, महेंद्र सैनी, कोच संदीप योगी, दिलबर नेगी, मानवेंद्र सिंह व सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

ई-के.वाई.सी. नहीं कराई तो बंद होगा राशन

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित लाभार्थियों के लिए ई-केवाईसी करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर निर्धारित की गई है।

जिला रसद अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय में ई-केवाईसी नहीं करवाने वाले लाभार्थियों का नाम पात्रता सूची से हटा दिया जायेगा और राशन वितरण रोक दिया जायेगा। जिला रसद अधिकारी भागुराम महला ने बताया कि इस योजना के तहत ई-केवाईसी अनिवार्य है और इसके बिना लाभार्थी राशन प्राप्त नहीं कर सकेंगे।

जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत कुल 13 लाख 8 हजार 632 लाभार्थी पंजीकृत हैं। इनमें से 11 लाख 39 हजार 563 लाभार्थिय्रों ने पहले ही अपनी ई-केवाईसी पूरी कर ली है, जबकि अभी भी एक लाख 69 हजार 69 लाभार्थियों की ई-केवाईसी लंबित है। जिला रसद अधिकारी ने कहा कि जो लाभार्थी 31 दिसम्बर तक अपनी

- खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित लाभार्थियों के लिए ई-केवाईसी करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर है

ई-केवाईसी पूरी नहीं करेंगे, उनका नाम पात्रता सूची से हटा दिया जायेगा। इसके चलते उन्हें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत राशन प्राप्त नहीं होगा।

लाभार्थियों को अपने नजदीकी उचित मूल्य की दुकान पर जाकर पोस मशीन के माध्यम से ई-केवाईसी करवानी होगी। यह प्रक्रिया भारत में कहीं भी उचित मूल्य की दुकानों पर की जा सकती है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने लाभार्थियों से अपील की है कि वे समय पर अपनी ई-केवाईसी पूरी करवा लें। इससे न केवल राशन की उपलब्धता होगी बल्कि योजना के अन्य लाभ भी जारी रहेंगे।

नोखा उप कारागृह का निरीक्षण

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (राजस्थान उच्च न्यायालय) जयपुर के निर्देशानुसार जिला एवं सेशन न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अतुल कुमार सक्सेना ने उप कारागृह नोखा का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिन बंदियों के पास पैरवी हेतु अधिवक्ता नहीं हैं, उन्हें नि:शुल्क विधिक सहायता हेतु अधिवक्ता उपलब्ध करवाये जाने के निर्देश दिए। उप कारागृह में नव प्रवेशित बंदियों से मुलाकात की व बंदियों को कारागृह में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं व बंदियों से उनके मुद्दों की स्थिति एवं अधिवक्ता के संबंध में जानकारी प्राप्त की।अधिवक्ता न कर पाने की स्थिति में नि:शुल्क विधिक सहायता के तहत प्राधिकरण द्वारा अधिवक्ता उपलब्ध करवाने के संबंध में जानकारी दी। कारागृह में बैरक, भोजनशाला का निरीक्षण किया।

त्रिशताब्दी समारोह पर चिड़ावा में नारी शक्ति सम्मेलन का आयोजन

चिड़ावा, (निसं)। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के त्रिशताब्दी समारोह के अवसर पर आज चिड़ावा में नारी शक्ति सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में काजल हिन्दुस्तानी मुख्य अतिथि थीं। काजल हिन्दुस्तानी ने इस अवसर पर लव जिहाद सहित अन्य मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात रखी।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद हमने शिक्षा ईसाइयों के भरोसे छोड़ दी, इतिहास वामपंथियों के भरोसे छोड़ा और यहां तक कि हमने हमारी फ़िल्में भी जिहादियों के भरोसे छोड़ दी। उन्होंने कहा कि देश में एक बहुत बड़ी ताक़त काम कर रही है जो भारतीय पारीवारिक व्यवस्था को ध्वस्त करने का षडयंत्र रच रही हैं। उन्होंने कहा आज सॉफ्ट पॉवर के माध्यम से लव जिहाद का एजेंडा पूरा करने और भारत को इस्लामिक देश बनाने के षड़यंत्र का एक माध्यम बॉलीवुड भी है। काजल हिन्दुस्तानी ने हिन्दू धर्मावलंबियों के मजारों पर जाने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जहाँ-जहाँ जिहादी

- लव जिहाद का एजेंडा पूरा करने और भारत को इस्लामिक देश बनाने के षड़यंत्र का एक माध्यम है बॉलीवुडः काजल हिन्दुस्तानी
- लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के त्रिशताब्दी समारोह के अवसर पर आज चिड़ावा में नारी शक्ति सम्मेलन का आयोजन किया गया

मानसिकता है, वहाँ कोई भी सेफ नहीं है। इसलिए हिंदूओ को संगठित होना पड़ेगा और आत्मरक्षा की ट्रेनिंग लेना शुरू करना होगा। कोई नेता, कोई मंत्री, कोई संत्री, कोई क़ानून, कोई संविधान, कोई भी बचाने नहीं आयेगा, आत्मरक्षा ही सुरक्षा की गारंटी है।

महिलाओं को आगे आकर अपनी बच्चियों को आत्मरक्षा सिखानी होगी।काजल हिन्दुस्तानी ने पुष्यमित्र उपाध्याय की कविता सुनो द्रौपदी शस्त्र उठा लो, अब गोविंद न आयेंगे के माध्यम से नारी शक्ति को जगाने का प्रयास भी किया। उन्होंने कहा कि बेटियों को आज आत्मरक्षा की शिक्षा भी दी जानी चाहिए। बाईपास स्थित अनुपम गेस्ट हाउस में आयोजित नारी शक्ति सम्मेलन में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ कुसुम लता शर्मा, विभाग संघ चालक अशोक सिंह, विभाग प्रचारक मुकेश कुमार ने मंच साझा किया। मोनिका दडिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद संतोष अहलावत, सुरजगढ़ नगरपालिका अध्यक्ष पुष्पा सेवाराम गुप्ता, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सरोज स्योराण, उपाध्यक्ष अनिता जांगिड़, नितिका थालौर, अनिता मोदी, पूजा शर्मा, टीना शर्मा, डॉक्टर मधुसूदन मालानी, पूर्व विधायक सुभाष पूनिया, संदीप शर्मा, सुनील सिद्धड, मुकेश खंडेलवाल, रामचन्द्र शर्मा, आदि प्रबुद्धजन तथा बड़ी संख्या में नारी शक्ति उपस्थित रहीं।

कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में अभ्यर्थियों की होगी भर्ती

सीकर । सहायक निदेशक जिला रोजगार कार्यालय राकेश कुमार खर्रा ने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय सीकर व भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में भारत सरकार के पसरा एक्ट 2005 के तहत ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार नवयुवकों को सुरक्षा गार्ड व सुरक्षा सुपरवाईजर के पद पर भर्ती के लिए चयन परीक्षा कार्यक्रम के तहत सीकर में 23 दिसम्बर से 30 दिसम्बर 2024 तक आयोजित कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में अभ्यर्थियों की भर्ती की जायेगी।

उन्होंने बताया कि तहसील लक्ष्मणगढ़, नेछवा की सीकर में 23 दिसम्बर 2024 को , फतेहपुर, रामगढ़ शेखावाटी की 24 दिसम्बर, नीमकाथाना की 25 दिसम्बर, माधोपुर और अजीतगढ़ की 26 दिसम्बर,दांतारामगढ़ व पलसाना की 27 दिसम्बर,खण्डेला व धोद की 28 दिसम्बर,सीकर की 29 दिसम्बर तथा वंचित रहे सभी तहसीलों के अभ्यर्थियों सहित सीकर की चयन प्रक्रिया 30 दिसम्बर2024 को जिला रोजगार कार्यालय, रीको औद्योगिक क्षेत्र सीकर में प्रात: 11 बजे से सायं 4 बजे तक की जायेगी।

प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दी गई श्रद्धांजलि

खेतड़ी, (निसं) खेतड़ी उपखंड के सुनारी पंचायत की ढाणी जाखड़ में शनिवार को शहीद नेकीराम जाखड़ काशहादतदिवसमनाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सर्जन डॉ रणजीत सिंह जाखड़, विशिष्ट अतिथि डॉ रामकुमार सिराधना थे, जबकि अध्यक्षता सरपंच विमला भांवरिया ने की। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य अतिथि डॉ रणजीत सिंह जाखड़ ने कहा कि राजस्थान की वीर धरा की परंपरा है कि देश की सुरक्षा करते हुए न्योछावर हो जाना।